अतिथि व्याख्यान कार्यक्रम दिनांक 5.10.2021

कार्यक्रम का उद्देश्य :- 1. स्नातकोत्तर समाजशास्त्र के विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।

2. पीड़ित की अपराधी को अपराध हेतु उकसाने विषयक भूमिका को समझना।

3. पीड़ित के साथ-साथ अपराधी की स्थिति पर विचार करना एवं उसे घृणा व तिरस्कार का पात्र न समझना है।

~~4. ग्रामीण नेतृत्व के बदलते प्रतिमान को जानना है।~~

कार्यक्रम की अवधि :- 3:00 4:50 p.m.

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता :- डा. मीना पाण्डेय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय देवेन्द्रनगर रायपुर, डा. आशा दुबे शासकीय महाविद्यालय गुढ़ियारी रायपुर।

कार्यक्रम विवरण :- कार्यक्रम में अतिथि वक्ताओं का परिचय विभागाध्यक्ष द्वारा देकर विभाग समाजशास्त्र स्नातकोत्तर परिषद द्वारा मुख्य वक्ताओं का स्वागत किया गया। अतिथि वक्ता द्वारा अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य पर विस्तार से जानकारी दी गयी। दूसरी अतिथि वक्ता डा. आशा दुबे द्वारा ग्रामीण नेतृत्व की बदलती प्रवृतियों पर विस्तार से चर्चा की गयी। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन अतिथि सहायक प्राध्यापक रिंकी ओसरे द्वारा किया गया। अतिथियों को स्मृतिचिन्ह प्रमाणपत्र एवं श्रीफल से सम्मानित किया गया।

परिणाम :- एम. ए. प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं इससे लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में 22 छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए।

Principal
B.C.S. Govt. P.G. College
Dhamtari (C.G.)

(डा. अनिता राजपुरिया)

डॉ.मीना पाठक प्राध्यापक, डॉ. आशा दुबे प्राध्यापक जी के द्वारा समाजशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यान

05.10.2021

पीजी कॉलेज में हुआ अतिथि व्याख्यान का आयोजन

धमतरी 09 अक्टूबर (डीलक्स समाचार)। बी.सी.एस. शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया जिसमें अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. मीना पाठक, प्राध्यापक, शासकीय कला एवं वाणिज्य कन्या महाविद्यालय, देवेन्द्र नगर, रायपुर ने आहतशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य या पीड़ितशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य पर अपने विचार दिये।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि जिस तरह अपराधशास्त्र में अपराधी और उसके द्वारा किये अपराध का अध्ययन होता है उसी तरह पीड़ित शास्त्र में पीड़ित एवं उसके व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। अपने वक्तव्य में उन्होंने पीड़ितशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य के अन्तर्गत प्रत्यक्षवादी पीड़ितशास्त्र, अतिवादी पीड़ितशास्त्र एवं विवेचित पीड़ितशास्त्र पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि "पीड़ित की अपराध में निष्क्रिय भूमिका नहीं होती अनेक बार पीड़ित अपराधी को अपराध करने के लिए उकसाता है, समाज में बहुधा पीड़ित के प्रति सहानुभूति तथा अपराधी से घृणा की भावना निहित होती है, परन्तु सदैव पीड़ित को कमजोर एवं निष्क्रिय व्यक्ति समझना तथा अपराधी को प्रबल, मजबूत एवं आक्रमणशील मानना उचित नहीं है।

दूसरे अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. आशा दुबे, शासकीय महाविद्यालय गढ़ियारी रायपुर ने ग्रामीण नेतृत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदलते परिवेश में ग्रामीण नेतृत्व की प्रकृति में बदलाव आ रहा है। वृद्धों के स्थान पर युवाओं एवं महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता राजपुरिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम हेतु महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. वैदेही मौर्य द्वारा विशेष प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में रिंकी कोसरे, जनभागीदारी सहा.प्राध्यापक, समाजशास्त्र एवं जिज्ञासा क्लब के पदाधिकारी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।